

श्री जगन्नाथ राय जोशी (राजपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह बिल तो जल्दी ब्राना चाहिये था । कितना समय लेते । यह डिफेंस-बिल है । आप इसकी अनुमति न दीजिये ।

MR. SPEAKER: The question is:

"That this House do further extend upto the last day of the first week of the next Monsoon Session (1975), the time for the presentation of the Report of the Joint Committee on the Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

12.28 hrs.

RE. BUSINESS OF THE HOUSE—
Contd.

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore): One clarification about the List of Business. Upto yesterday, the provisional List of Business had said that the Railway Budget would be presented at 3.00 p.m. and accordingly you were good enough to fix the meeting of the Business Advisory Committee at 4.30 p.m. But today I find that the Business Advisory Committee meeting has been advanced to 3.00 p.m. and the Railway Budget has been put back to 4.00 p.m. Rumour has it that the new Railway Minister, after consulting an astrologer, has decided that it is propitious for him to present the Budget at 4.00 p.m. and not at 3.00 p.m. I would like to know whether there is any truth in this. Everybody is talking about it.

SHRI PILOO MODY (Godhra): If it will result in less accidents, then we accept.

MR. SPEAKER: I do not think the Railway Minister has anything to do with it. It is fixed by our Secretariat.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA (Begusaria): How can it be that the

Minister has no say in this matter? Generally we find that the Minister indicated his convenience and according to that, the item is put down.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour): That is because he did the *padarpan* into the Rail Bhavan on an Amavasya day and no Minister had stayed there for more than a year and a half since Jagjivan Babuji.

श्री ब्रह्म बिहारी बाजपेयी (मालियर) : मेरा सुझाव है कि जूट की हड़ताल के बारे में चर्चा दो बजे शुरू कर दी जाये क्योंकि बीच में कोई कार्यवाही नहीं है । यह हमारा बिजनेस पटरी से उतर गया है, रेल पटरी से उतरे या न उतरे ।

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): You know the discussion will take more than an hour. Therefore, let it be at the end of the day. It cannot be earlier. We have got a tight schedule. It will be after 5 p.m. From 5 to 7 p.m. you can have it.

MR. SPEAKER: This Call Attention Motion was dropped and the discussion has been fixed after the Railway Minister's Budget speech. Now, the other business is finished and if your Member, Mr. Stephen is ready to move his motion, I have no objection.

SHRI K. RAGHU RAMAIAH: He is ready. We should commence that now and then after 5 p.m. you can have the discussion.

MR. SPEAKER: Now, we have one notice under Rule 377 about this Indian Hockey Team.

Several hon. Members rose—

MR. SPEAKER: I do not allow more than one. I have allowed this. It is no question of writing to me a number of times. There are so many of them. I cannot accept all of them. I cannot commit myself.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur).
I do not want your commitment. Three
workers have been killed..

MR. SPEAKER: These motions
came from three hon. Members, viz.,
Sarvagshri Vajpayee, Sathe and Priya
Ranjan Das Munshi to raise the matter
about the reported notice given by
members of the Indian Hockey Team
for the World Cup Tournament that
they would refuse to play in the Kuala
Lumpur Tournament, in case the team
was not cleared within three days. So,
I have mentioned the names, but only
one member will speak. I saw the
order of the receipt of the notices and
Shri Vajpayee's name is the first

Now Shri Vajpayee

MATTER UNDER RULE 377

12.35 hrs.

REPORTED NOTICE BY MEMBERS OF INDIAN HOCKEY TEAM FOR WORLD CUP TOURNAMENT

श्री अटलबिहारी वाजपेयी. (गुवालिबर) .
अध्यक्ष महोदय । माने को बवाल लम्पूर
मे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट हो रहा है । टूर्नामेंट
के बारे में देश में बड़ी आशाये लगाई गई है ।
जनता अपने खिलाड़ियों में अपेक्षा करती
है कि वे हाकी के क्षेत्र में भारत की कीर्ति
को बवाल लम्पूर में पुनः कायम करेंगे,
लेकिन जो खबरें मिली हैं, उनसे ऐसा लगता
है कि हमारे खेलों को भी राजनीति ने दूषित
कर दिया है । दो मघ बने हुये हैं, इण्डियन
अल्म्पिक एसोसिएशन और इंडियन हाकी
फेडरेशन । यह भी प्रकाश में आया है कि
हाकी फेडरेशन में दलबन्दी हो गयी है ।
श्री गजेंद्रगडकर को काम सौंपा गया था कि
वे बहा चुनाव कराये लेकिन जब उन्होंने बहा
की हालत देखी तो उन्होंने चुनाव कराने से
मना कर दिया । बाद में शिक्षा मन्त्रालय
के कोई अधिकारी गये थे जिन्हें सभी ने
स्वीकार नहीं किया । अब नतीजा यह है
कि हाकी फेडरेशन के लोग आपस में लड़

रहे हैं । जो वर्ल्ड टूर्नामेंट कराने वाला
संगठन है, वह इस बात पर बल दे रहा है
कि ओलम्पिक एसोसिएशन जिस टीम को
भेजेगी, उसे मान्यता दी जाएगी । हमारे
खिलाड़ी तीन महीने से प्रति दिन कई घंटे
अभ्यास करने में लगा रहे हैं लेकिन उन्हें कोई
यह कहने वाला नहीं है कि वे बवाल लम्पूर
जायें । आज के अखबारों में जो कुछ छपा
है, उसे पढ़ कर सब लोगों को दुःख होगा ।
खिलाड़ियों की ओर से कहा गया है

"We are left with no alternative.
After all we are also human beings
and all this dirty politics and un-
certainly do affect our morale and
game. We have been practising here
for more than seven hours a day
for three months to bring back the
lost glory. But this wretched poli-
tics and infighting have completely
dampened our spirits."

खिलाड़ियों ने यह भी अपील की है कि
प्रधान मंत्री इस मामले में दखल दे तुरन्त
निर्णय होना चाहिये लेकिन शिक्षा मन्त्रालय
इस सारे मामले में कार्यवाही करने में विफल
रहा है । आप शिक्षा मंत्री महोदय से कहें
कि वे सदन में आ कर इस बारे में बयान दें ।
झगड़े बाद में तय होने रहेंगे, खिलाड़ियों को
भेजने के बारे में फैसला होना चाहिये ।
खिलाड़ी अच्छे मन से और विजय की आकांक्षा
में बवाल लम्पूर जायें, यह आवश्यक है,
लेकिन खिलाड़ियों ने चेतावनी दी है कि अगर
तीन दिन में निर्णय नहीं हुआ, तो वे नहीं
जायेंगे । शिक्षा मन्त्रालय और शिक्षा मंत्री
या तो मचमच खेल का विभाग छोड़ दें,
खिलाड़ियों के साथ मनमाना आचरण नहीं
हो सकता । आप खेल का मन्त्रालय अलग
बना सकते हैं, लेकिन अगर मन्त्रालय अलग
नहीं बना सकते तो मंत्री जो खेलों के प्रति
जिम्मेदार हैं, उनमें खिलाड़ी की भावना तो
होनी चाहिये । वे किसी नौकरशाह को भेज
देंगे है जो सरकारी दफ्तर के तरीके से
खिलाड़ियों से निपटना चाहता है । शिक्षा